रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 680] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 21, 2001/भाद्र 30, 1923
No. 680] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 21, 2001/BHADRA 30, 1923

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 2001

संदर्भ : गृह मंत्रालय की दिनांक 17-9-1991 की अधिसूचना सं. का.आ. 603(अ)

का.आ. 932(अ).—यतः अरुणाचल प्रदेश के तीरप और चांगलांग जिलों को गृह मंत्रालय की उक्त अधिसूचना के तहत 17.9.1991 से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958 के अन्तर्गत अशान्त क्षेत्र घोषित कर दिया गया था क्योंकि केन्द्र सरकार की राय में उक्त जिले इस प्रकार की अशान्त एवं खतरनाक स्थिति में थे कि सिविल अधिकारियों की सहायता के लिए सशस्त्र बलों का प्रयोग आवश्यक था, और

2. यतः, माननीय उच्चतम न्यायालय के समक्ष दर्ज किए गए बयान में भारत सरकार ने बताया था कि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत " अशान्त क्षेत्र " घोषित किए जाने संबंधी विद्यमान अधिसूचनाओं की 20.8.1997 से तीन माह की अवधि के भीतर समीक्षा की जाएगी ।

3. स्थिति की पिछली बार मार्च 2001 में समीक्षा की गई थी तथा दिनांक 23 मार्च 2001 की अधिसूचना सं. का.आ. 259(अ) के तहत तीरप एवं चांगलांग की "अशान्त क्षेत्र" के रूप में घोषणा की अवधि को 30.9.2001 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया था । अब तीरप एवं चांगलांग जिलों में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति की और समीक्षा की गई है । कानून एवं व्यवस्था की स्थिति के संबंध में राज्य सरकार की रिर्पोटों से निम्नलिखित तथ्य सामने आते है:-

(i) 10.4.2001 को तीरप जिले के लांगबो गांव में एन एस सी एन (के) तथा एन एस सी एन (आई एम) के बीच एक मुठभेड़ हुई जिसमें एन एस सी एन (के) के 4 सदस्य घायल हुए थे जिनमें से एक

की बाद में मृत्यु हो गई थी । उनकी मुठभेड़ के दौरान दोनों गुटों के बीच हुई गोलीबारी से लगी आग में आठ मकान जल गए थें । तीरप जिलें में कैमई गाँव के निकट एन एस सी एन (आई एम) तथा सेना के बीच हुई एक और मुठभेड़ में सेना के एक जवान के घायल हो जाने की खबर थी ।

(ii) चांगलांग जिले के जयरामपुर सर्किल के अन्तर्गत नामचिक गाँव के जी बी, श्री टी. तीखक से एन एस सी एन (के) के कार्यकर्ताओं द्वारा 5000/-रूपये की माँग किए जाने की खबर थी । उन्होंने चांगलांग जिले के प्रत्येक परिवार से कर के रूप में 100/- रूपये की भी मांग की । चांगलांग जिले के रीमा, नमगोई, लोंगकी तथा नामपोंग क्षेत्रों में श्री अरूण जुगली के नेतृत्व में एन एस सी एन (के) के कार्यकर्ताओं ने प्रत्येक घर से 300/- रूपये की वसूली की ।

(iii) 13.6.2001 को लगभग 1115 बजे, नमडांग चैक-गेट से लगभग 1 कि.मी. दूर मरघरीटा (असम) की ओर उग्रवादियों द्वारा असम राइफल्स के कार्मिकों (एक जेसीओ सहित) पर छोटे आग्नेययास्त्रों तथा हथगोलों से उस समय हमला किया गया जब वे एक गम्भीर रोगी को दो टन के वाहन पर चांगलांग से जयरामपुर ले जा रहे थे । घात लगाकर किए गए इस हमले मे असम राइफल्स के 9 कार्मिकों की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई तथा जेसीओ गम्भीर रूप से घायल हो गया ।

(iv) 12.7.2001 को लगभग 0010 बजे तीरप जिले में गैस एजेंसी, खोनसा के निकट भूमिगत लोगों ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के कार्मिकों पर घात लगाकर हमला किया जिसमें हैड कांस्टेबल अमीर हुसैन तथा कांस्टेबल लकबीर सिंह की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई तथा कांस्टेबल दीन मोहम्मद गम्भीर रूप से घायल हो गया ।

(v) 20.7.2001 को तीरप जिले के लाजू सर्किल के नीचे पांकोंग तथा सनलियाम के बीच भूमिगत लोगों ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के कार्मिकों पर घात लगाकर हमला किया जिसमें केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 6 कार्मिक मारे गए तथा 6 अन्य गम्भीर रूप से घायल हो गए ।

(vi) एन एस सी एन (आई एम) ने लांगडिंग पुमाव क्षेत्र के स्थानीय नेताओं तथा छोटे ठेकेदारों से 5000/- रूपये प्रति व्यक्ति की दर से धन की मांग की है । कनुबारी के चाय बागान मालिकों से अपनी बिक्री का 3% भुगतान करने के लिए कहा गया था ।

(vii) 18.7.2001 को एन एस सी एन (के) के कार्यकर्ताओं ने तीरप जिले के कनुबारी सर्किल के अन्तर्गत लुआक्सिम गांव से श्री बांगलोंग वांगजेन, तूजेन बिहाम ओर बांग्झे वांगजेन का अपहरण किया और फिरौती के लिए 1 लाख रू0 की मांग की । बताया जाता है कि बाद में लुआकिसम ग्रामवासियों ने 15000 रूपये दिये थे और अपरहरण किए गए व्यक्तियों को नागालैंड के नोकयांग गांव से छुड़ाया था ।

(viii) बताया गया है कि एन एस सी एन (आई एम) कार्यकर्ताओं ने चांगलांग जिले के मियाओं एवं खारसांग क्षेत्र के पी डबल्यू डी, आर डबल्यू डी और पी एच ई डी के अधिकारियों को नोटिस देकर प्रत्येक से तीन-तीन लाख रूपये की मांग की । उन्होंने कृषि विभाग के कर्मचारियों से 2% प्रति माह की दर पर 24% वार्षिक सेवा कर की भी मांग की ।

(ix) 25.7.2001 को लगभग एन एस सी एन (आई एम) के छः कार्यकर्ता चांगलांग जिले के दीयूम सर्किल के अंतर्गत मनाभूम स्थित इंडियन ऑयल कम्पनी में गये और प्रत्येक कर्मचारी से 10,000 रूपये की मांग की तथा उन्हें मामले की सूचना सुरक्षा बलों को न देने की चेतावनी दी ।

4. राज्य सरकार ने यह भी सूचित किया है कि सीमित संख्या में राज्य पुलिस बल उपलब्ध होने के कारण इन दोनों जिलों में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को पूर्ण नियंत्रण में रखना संभव नहीं है । राज्य सरकार ने स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए सेना / अर्धसैनिक बलों की मदद मांगी है । राज्य सरकार ने यह सिफारिश भी की है कि इन दोनों क्षेत्रों को अशांत क्षेत्र घोषित रहने दिया जाए ।

5. उपरोक्त के मद्देनजर , केन्द्र सरकार की यह राय है कि तीरप और चांगलांग जिलों में स्थिति अशांत है और कि ऐसी परिस्थितियां मौजूद है कि वहां सिविल अधिकारियों की मदद के लिए सशस्त्र बल भेजे जाने चाहिए। अतः यह निर्णय लिया गया है कि इस मंत्रालय की दिनांक 17.9.1991 की उपरोक्त अधिसूचना, पहले वापिस न लिये जाने की स्थिति में 31 मार्च, 2002 तक लागू रहेगी ।

[सं. 13/27/99-एम जैड]

सुरेन्द्र कुमार, संयुक्त सचिव (एम.ई.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th September, 2001

Ref : Ministry of Home Affairs' Notification No. S.O. 603(E) dated 17-9-1991.

S.O. 932(E).— Whereas Tirap and Changlang districts of Arunachal Pradesh were declared as disturbed areas under the Armed Forces (Special Powers) Act, 1958 w.e.f. 17.9.1991 vide this Ministry's Notification referred to above, as, in the opinion of the Central Government, the said districts were in such a disturbed and dangerous condition that the use of armed forces in aid of civil power was necessary, and

2. Whereas in a statement filed before the Hon'ble Supreme Court, the Government of India had stated that all current notifications regarding declaration of "disturbed areas" under the aforesaid Act, would be reviewed within a period of three months from 20.8.1997.

3. The situation was last reviewed in March 2001 and vide Notification bearing SO 259(E) dated 23rd March.2001, it was decided to extend the tenure of the declaration of Tirap and Changlang as 'disturbed areas' upto 30.9.2001. A further review of the law & order situation in Tirap & Changlang districts has since been conducted. The State Government reports on law & order bringing out the following facts:

(i) On 10.4.2001, an encounter took place between NSCN(K) and NSCN(IM) at village Longbo of Tirap District in which four NSCN(K) cadres were injured of which one is reported to have died later. During their encounter eight houses were gutted in fire caused by firing between the two factions. In an another encounter between NSCN(IM) and Army near Kaimai village in Tirap district one army person was reportedly injured.

(ii) NSCN(K) activists reportedly demanded Rs.5000/- from Shri T. Tikhak, GB of Namchik village under Jairampur circle of Changlang district. They also demanded Rs.100/- from each family in Changlang district as tax. In Rima, Namgoi, Longkey and Nampong areas of Changlang district, the NSCN(K) activists led by Shri Arun Jugli collected Rs.300/- per house.

(iii) On 13.6.2001, at about 1115 hours, ten Assam Rifles personnel (including on e JCO) while escorting a serious patient oon a 2 ton vehicle from Changlang to Jairampur were attacked by militants with small fire arms and grenades at about 1 km away from Namdang check-gate towards Margherita (Assam). In the ambush nine Assam Rifles personnel died on the spot and the JCO was grievously injured.

(iv) On 12.7.2001 at about 0010 hours, the Under Grounds ambushed CRPF personnel near Gas Agency, Khonsa in Tirap District killing Head Constable Amir Hussain and Constable Lakbir Singh on the spot and leaving Constable Din Mohammed seriously injured.

(v) On 20.7.2001, the Undergrounds ambushed CRPF personnel in between Ponkong and Sanllam village under Lazu circle of Tirap district in which 6 CRPF personnel were killed and six other seriously injured.

(vi) The NSCN(IM) has demanded money from the local leaders and petty contractors of Longding-Pumao area at the rate of Rs.5000/- each. The tea garden owners of Kanubari were also asked to pay 3% of their sales.

(vii) On 18.7.2001, the NSCN(K) activists abducted Shri Wanglong Wangjen, Tujen Biham and Wangjeih Wangjen from Luaksim village under Kanubari circle of Tirap district and demanded Rs.1 lakh as ransom. Later the Luaksim villagers reportedly paid Rs.15,000/- and got the abducted person released from Nokyang village of Nagaland.

(viii) It is reported that NSCN(IM) activists served demand notices t PWD, RWD and PHED authorities of Miao and Kharsang area of Changlang district to pay Rs.3 lakhs each. They also demanded 24% of yearly service tax at rate of 2% per month from the employees of Agriculture department.

(ix) On 25.7.2001, about six NSCN(IM) activists visited Indian Oil Company at Manabhum under Diyum circle of Changlang district and demanded Rs.10,000/- from each employee with the warning not to report the matter to security forces.

4. The State Government have also reported, that with the limited availability of State police force, it is not possible to fully control the law and order situation in these two districts and have sought the help of Army/para military forces to control the situation. The State Government have also recommended that these two districts be continued to be declared as disturbed.

5. In the light of the above, the Central Government is of the opinion that the situation in Tirap and Changlang districts is disturbed and that conditions exist for the use of armed forces in aid of civil power. It is, therefore, decided that the notification dated 17th September 1991 of this Ministry mentioned above, will remain in force upto 31st March 2002 unless withdrawn earlier.

[No. 13/27/99-MZ]

SURENDRA KUMAR, Jt. Secy. (NE)

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.